


परिचय

व्यक्तिगत परिचय :							
नाम	डॉ. एन. टी. गामीत						
पद	प्रोफेसर						
विभाग	हिन्दी						
पता	व्यावसायिक : हिन्दी भवन, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट-360005						
	निवास : अमृत रेसीडेन्सी-3, साधु वासवाणी कुंज रोड, रेलनगर, राजकोट-360001						
दूरभाष	(O) 0281-2574836						
चलभाष	(1) 09427519885 (2) 08849914170						
ई-मेल	(1) naranbhaigamit@gmail.com, (2) ntgamit@sauuni.ac.in						
जन्म दिनांक	01-06-1968	जन्म स्थल	ऊँचामला जि. तापी, पीन-394651				
शैक्षिक योग्यताएँ :							
क्रम	पाठ्यक्रम	शाला एवं कॉलेज	बोर्ड / विश्वविद्यालय	वर्ष	वर्ग	प्रतिशत	विषय
1	बी.ए.	श्री एम. आर. विनयन एवं विज्ञान कॉलेज, राजपीपला, जि.नर्मदा	वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत	1990	प्रथम	63.20	विनयन
2	एम.ए.	श्री एम. आर. विनयन एवं विज्ञान कॉलेज, राजपीपला, जि.नर्मदा	वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत	1993	द्वितीय	60.30	विनयन
3	पीएच.डी.	तुलनात्मक साहित्य भवन, वीरनर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत	वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत	2006	“जैनेन्द्रकुमार के उपन्यासों में सामाजिक समस्याएँ : एक अध्ययन”		
शैक्षणिक अनुभव :							
क्रम	संस्था / कॉलेज		समयावधि	वर्ष	पद		
1	विनयन एवं वाणिज्य कॉलेज, मांडवी जि. सूरत		दि. 2-12-1993 से 8-11-1995	1 वर्ष 11 मास 6 दिन	खण्ड समय प्राद्यापक		
2	सरकारी विनयन एवं वाणिज्य कॉलेज, आहवा, जि. डांग		दि. 9-11-1995 से 6-3-2003	7 वर्ष 3 मास 26 दिन	हिन्दी प्राद्यापक		
3	भाषा-साहित्य भवन, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद		दि. 18-3-2004 से 21-12-2009	5 वर्ष 9 मास	हिन्दी प्राद्यापक		
4	हिन्दी भवन, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट		दि. 22-12-2009 से 21-12-2015	6 वर्ष	एसो.प्रोफेसर		
5	हिन्दी भवन, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट		दि. 22-12-2015 से कार्यरत	8वर्ष	प्रोफेसर		
अन्य प्रवृत्तियाँ :							
<ul style="list-style-type: none"> - सी.सी.डी.सी. सेन्टर, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा रेमेडियल एवं नेट/स्लेट के कोर्चींग के लिए विभागीय समन्वयक के रूप में नियुक्त । - सौराष्ट्र विश्वविद्यालय के हिन्दी विषय के निर्देशक में रूप में कार्यरत । - विविध राज्य, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तरीय संगोष्ठियों में शोध-आलेख प्रस्तुति, सत्र-संचालन, आयोजन तथा विषय-विशेषज्ञ का कार्यानुभव । - विविध साहित्यिक पत्रिकाओं में अनेक शोध-आलेखों का प्रकाशन । - हिन्दी साहित्य संबंधी आलोचनात्मक पुस्तक-लेखन एवं संपादन । - अनेक साहित्यिक तथा सामाजिक संस्थाओं में सदस्यता । - देश के विविध कार्य से संलग्न । 							